

**Training and awareness programme on Development of Agroforestry in Eastern U. P. : Existing market facilities and tree harvesting rules for farmers of Raebareli district by CSFER, Allahabad**

A one-day farmers training programme on **Development of agroforestry in Eastern UP** for creating awareness amongst farmers of Datauli Gram Sabha , Lalganj Tehsil, Raebareli for existing market facilities for selling of timber of important species and tree harvesting rules of UP forest department was organized under direction of Dr. V. K. Bahuguna, DG, ICFRE and Dr. S. P. Singh , DDG ( Admin ) ICFRE, Dehradun by CSFER Allahabad on 25.02.2013. About 100 farmers participated in the programme. Sri Manoj Kumar Shukla, Director, CSFER inaugurated the training and welcomed participants. In the welcome address, Sri Shukla emphasized on cultivation of important trees of the region in different agroforestry models. He highlighted cultivation of shade loving medicinal plants under traditional orchards of Mango, Mahua, Aonla, Bamboos etc. Dr. Anubha Srivastav, Research Officer working under the project highlighted about important timber species as Eucalyptus, Poplar, Shisham, Sagaun, Aonla etc for agroforestry models as per availability of land to the farmers. Dr. Srivastav distributed literature on tree harvesting rules for important timber species for all districts of UP. She also gave information to the farmers regarding available market facilities as about plywood/ veneer industries , saw mills, van nigram etc. for sale of their wood products . The representatives from forest department, sawmills, veneer/plywood industry, Gram Pradhan, Kotedar and other resource persons were present on the occasion. The farmers also interacted with resource persons for information regarding availability of planting material and sale of their wood products in the market. The programme was successfully organized by Dr. Anubha Srivastav, Research Officer with assistance of Sri Prabhakar Singh, JRF under the project .

# कार्यशाला में औषधीय खेती पर जोर

श्री टाइम्स संवाददाता

लालगंज। सामाजिक वानिकी के तहत सोमवार को आयोजित कार्यशाला में औषधीय खेती पर जोर दिया गया। पौधरोपण कर किसानों को आर्थिक स्तर ऊंचा उठाने की दिशा में भी जानकारी दी गई।

लालगंज ब्लॉक के दतौली गांव में आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यशाला में वानिकी विशेषज्ञों ने सलाह दी कि किसान खाली पड़ी भूमि पर सागौन, यूकेलिप्टस, शीशम आदि के वृक्षों का रोपण करें। बताया गया कि खेतों के किनारे भी वे पापुलर के पेड़ों का रोपण कर अपनी आय में दोहरा लाभ कर सकते हैं।



कार्यशाला में मंचासीन अधिकारीगण व मौजूद किसान

कार्यशाला में वानिकी कार्यक्रम के संचालन में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों पर व्यापक चर्चा हुई। शीशम के सुख रहे पेड़ों की बबूत भी कहा गया कि अब आने वाले पेड़ों में रोग प्रतिरोधक क्षमता के पेड़ों को विकसित किया जा रहा है।

जिससे उनमें इस तरह की बीमारियां न लग सकें।

कार्यशाला में औषधीय खेती पर जोर देते हुए किसानों से अपील की गई कि वे कदम, आंवला, सतावर जैसे पड़ों का रोपण करें। जेट्रोफा के पेड़ों को उगाने पर भी

जोर दिया गया। इस मौके पर दतौली की ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनय सिंह, बलराम यादव, संदीप कुमार, अश्वनी, राजू, मंगल, हनुमान, श्रीकृष्ण, रामआसरे, दिनेश, नन्हकई, वृजराणी, कुसुमा, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

श्री टाइम्स - 26.02.13

# उन्नत बीज से अधिक लाभ कमाएं

## दतौली गांव में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

● अमर उजाला ब्यूरो

लालगंज (रायबरेली)। सेंटर फॉर सोशल फारेस्ट्री एंड इको रिहैबिलिटेशन (सामाजिक वानिकी एवं पारि पुनर्स्थापन केंद्र) इलाहाबाद की ओर से सोमवार को दतौली गांव के बारात घर में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को वृक्ष लगाकर आमदनी बढ़ाने के तरीके बताए।

अनुसंधान अधिकारी डॉक्टर अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि किसान सागौन के पेड़ से अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। बताया कि किसान जमीन की उपलब्धता के आधार पर ही पौधों का चयन करें। इसके लिए अच्छी क्वालिटी के पौधे व बीजों का ही प्रयोग करें। जिससे उन्हें अच्छा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा खाली भूमि में किसान सूरन, हल्दी,



लालगंज के दतौली में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद किसान।

अदरक आदि की खेती कर सकते हैं। बताया कि बांस की खेती भी किसानों के लिए बेहद लाभकारी हो सकती है। सुझाव दिया कि किसान ऊसर भूमि पर ऐसे पौधे लगाएं जो भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ा सकें। निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि किसान पौधों की नर्सरी भी लगा सकते हैं। नर्सरी लगाने वाले किसान वन विभाग और संस्थान से मार्गदर्शन ले सकते हैं।

परियोजना सहायक प्रभाकर सिंह ने किसानों को यूकेलिप्टस, आंवला, पॉपुलर, महुआ, बेल, कदम आदि पौधों की खेती करने का सुझाव दिया। इस मौके पर वन विभाग के गिरीश श्रीवास्तव, प्रधान प्रतिनिधि विनय सिंह के अलावा परमसुख, रामआसरे, रमेश कुमार, देश कुमार, कल्लू प्रसाद, बलराम, हनोमान, बुद्धीलाल, रामनाथ मौजूद रहे।

● ● ● ●  
**अमर उजाला-26.02.13**

**एक नजर****प्रशिक्षण शिविर में किसानों को  
बताया पेड़ों का महत्व**

लालगंज, अग्र : पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक वानिकी एवं पारि पुनर्स्थापना केंद्र इलाहाबाद की ओर से दतौली गांव में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। केंद्र के निदेशक मनोज शुक्ला ने पारंपरिक वृक्षों के साथ-साथ औषधीय पौधों को लगाने संबंधी व्यापक चर्चा की। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किसानों को वृक्षों के कटान के संबंध में वन विभाग के नियमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आम, नीम, बबूल, कटहल की प्रजातियां भूवी उत्तर प्रदेश में कम है। सागौन, शीशम कम उम्र में काटे नहीं जा सकते। इसलिए जलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों को यूकेलिप्टस, पापुलर, सागौन, शीशम आदि के वृक्ष लगाने की विधियां बतायीं। कृषकों को राष्ट्रीय वन नीति संबंधी जानकारियां दी। इस मौके पर ग्राम प्रधान विनय सिंह, पूर्णिमा सिंह, संदीप, बलिराम आदि थे।



A view of training programme : Inauguration by Director, CSFER, Allahabad



Interaction of resource persons with farmers during discussion



A view of participants in the training